## Date : 26 नवंबर 2022

# अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023

**संदर्भ-** हाल ही में **अंतर्राष्ट्रीय पोषक** अनाज वर्ष 2023 के प्री-लॉन्च समारोह में , विदेश मंत्री एस जयशंकर ने "कोविड, संघर्ष और जलवायु" **को दुनिया की प्रमुख खाद्य सुरक्षा चुनौतियों के** रूप में नामित किया। "वैश्विक अर्थव्यवस्था को जोखिम मुक्त करने" **की व्यापक अनिवार्यता के संदर्भ में बाजरा** की खेती और लोकप्रियता को प्रमुखता दी।

**मोटा अनाज फसल-**

- पोषक अनाज के लिए मोटे अनाज शब्द का प्रयोग भी किया जाता है, मोटे अनाज शब्द का प्रयोग छोटे दाने वाले अनाज के रूप में किया जाता है जैसे- ज्वार, बाजरा, फॉक्सटेल बाजरा, थोटो, कोदो, रागी, मडुआ आदि।
- मोटा अनाज, **प्राचीन घरेलू फसलों में से एक थी। सिंधु घाटी में भी मोटे अनाज के** प्रमाण मिले हैं, जैसे लोथल व **सौराष्ट्र से बाजरा के प्रमाण मिले हैं।** कालीबंगा से रागी व सरसों के प्रमाण मिले हैं।
- वर्तमान में बाजरा 130 **देशों द्वारा** उगाया जाता है, इसके उत्पादन में **बहुत कम** पानी की आवश्यकता होती है। **मुख्य रूप से यह फसल वर्षा पर आधारित होती है। एशिया व अफ्रीका में इसका** प्रयोग पारंपरिक भोजन के रूप में किया जाता है।
- **पोषक अनाज में ज्वार सबसे अधिक** मात्रा में उगायी जाती है। **ज्वार के प्रमुख** उत्पादक संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, ऑस्ट्रेलिया, भारत, अर्जेंटीना, **नाइजीरिया और सूडान हैं। तथा बाजरा भारत व** अफ्रीकी देशों में उगाया जाता है।
- **भारत में ये फसलें खरीफ की फसलें** हैं और कृषि मंत्रालय के अनुसार कुल फसल का 7% उत्पादन करती हैं।

**पोषक फसल-**

- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2023 को **अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के रूप में** घोषित किया है। जिसका नेतृत्व भारत ने किया था और 70 **से अधिक** देश इस मुहिम में शामिल हैं।
- ज्वार, बाजरा, रागी/मंडुआ, मामूली बाजरा – कंगनी/काकुन, चीना, कोदो, सावा/सांवा/झंगोरा, और कुटकी- और दो छद्म बाजरा, **एक प्रकार का अनाज** (कुट्टू) और अमरनाथ (चौलाई) **में उच्च पोषक तत्व पाए जाते हैं।**
- कृषि मंत्रालय ने वर्ष 2018 **में बाजरा को पोषक फसल घोषित किया था।**

**पोषक तत्व-**

| **अनाज** | **प्रोटीन ग्राम में** | कार्बोहाइड्रेट ग्राम में | वसा ग्राम में | फाइबर ग्राम में | कैल्शियम ग्राम में | फास्फोरस ग्राम में |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ज्वार | 10.4 | 72.6 | 1.9 | 1.6 | 25 | 222 |
| बाजरा | 11.6 | 67.5 | 5.0 | 1.2 | 42 | 296 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| रागी | 7.3 | 72.0 | 1.3 | 3.6 | 344 | 283 |
| मंडुवा | 11.6 | 74.3 | 5.8 | 14.7 | 14 | 121 |
| झंगोरा | 12.5 | 70.4 | 1.1 | 2.2 | 14 | 206 |
| कौणी | 12.3 | 60.9 | 4.3 | 8.0 | 31 | 290 |

**सार्वजनिक वितरण तंत्र के तहत बाजरा-**

- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत, पात्र परिवार चावल, गेहूँ व मोटा अनाज क्रमशः 3 रुपये, 2 रुपये व 1 रुपये प्रति किलो पाने के हकदार हैं।
- NFSA की धारा 2(5) के तहत मोटे अनाज के आवश्यकीय रूप से वितरण पर ढील देकर इसे खाद्यान्न की श्रेणी में रखा गया।

**पोषक तत्व उत्पादक प्रमुख राज्य-**

- भारत में ज्वार उत्पादक प्रमुख राज्य महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश आदि हैं। 2020-21 में महाराष्ट्र में सर्वाधिक 1.94 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में 1.76 मिलियन टन ज्वार का उत्पादन हुआ.
- भारत में बाजरा उत्पादक प्रमुख राज्य राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, और कर्नाटक हैं। 2020-21 में राजस्थान सर्वाधिक बाजरा उत्पादक राज्य था जिसने 4.32 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में 4.53 मिलियन टन बाजरा का उत्पादन किया।
- रागी के प्रमुख उत्पादक राज्य कर्नाटक, हिमांचल प्रदेश, उत्तराखण्ड. सिक्किम, झारखण्ड, अरुणांचल प्रदेश हैं।

**महत्व-**

- अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 की पहल से भारत, अंतर्राष्ट्रीय तौर पर प्रमुखता हासिल की है।
- भारत में पोषक तत्वों को महत्व देकर उत्पादक राज्यों को आर्थिक रूप से मजबूत करने के साथ भारत पोषक तत्वों का उत्पादक राष्ट्र बन सकता है।
- पर्याप्त उत्पादन से निर्यात में वृद्धि की जा सकती है जो भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती दे सकता है।

**गुंजन जोशी**

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com